राजस्थान की सभ्यताएँ

https://rajasthanclasses.in/

Scanned by CamScanner

By RAJASTHAN CLASSES

CONSTABLE FULL COURSE CLICK HERE

Top 1000 GK/GS -Click

India GK Top Test-click

YOUTUBE CHANNEL-CLICK

https://rajasthanclasses.in/

राजस्थान के पुरातात्विक स्थल

(I) पाषाण काल : (Stone Age)

① बागौर :
→ भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी के किनारे
→ उत्खननकर्ता :- "वीरेन्द्र नाथ मिश्र"
→ पशुपालन के साक्ष्य मिलते हैं।

(250)

② तिलवाड़ा :
→ लूनी नदी के किनारे (बाड़मेर)
→ उत्खननकर्ता :- "वीरेन्द्र नाथ मिश्र"
→ पशुपालन के साक्ष्य मिले हैं
→ अग्निकुण्ड के साक्ष्य मिले हैं

अन्य केन्द्र :

③ जायल } नागौर
④ डीडवाना } नागौर
⑤ बूढ़ा पुष्कर } अजमेर

See More PDF- https://rajasthanclasses.in/

257

6 सिन्धु घाटी सभ्यता : / हड़प्पा (भारत में 1st नगरीय क्रांति)

① कालीबंगा :

→ घग्घर नदी (हनुमानगढ़) के किनारे

→ कालीबंगा - काली चूड़ियाँ

→ खोजकर्ता : "अमलानन्द घोष" (1952 में)

→ उत्खननकर्ता : (1961 - 69)
- बी. बी. लाल
- बी. के थापर

→ हड़प्पा / सिन्धु घाटी सभ्यता की 3rd राजधानी
1st हड़प्पा
2nd मोहनजोदड़ो

→ सिन्धु घाटी सभ्यता की गरीब बस्ती थी।

→ मकान कच्ची ईंटों के बनाये जाते थे।

→ यहाँ से अलंकृत ईंटों के साक्ष्य मिले हैं।

→ लकड़ी की नालियां बनी हुई हैं।

→ हल (जुते हुए खेत का साक्ष्य मिला है) का साक्ष्य

→ एकसाथ 2 फसलें उगाते थे।

① चना

② सरसों

→ कालीबंगा से भूकम्प के साक्ष्य प्राप्त होते हैं

→ अग्निकुंड प्राप्त हुये हैं

→ बेलनाकार मुहर प्राप्त हुई हैं
मेसोपोटामिया की

→ यहाँ से युग्मित शवाधान का साक्ष्य मिला है।

→ 1985-86 में यहाँ म्यूजियम बनाया गया

19/2 Special Class

- **सोथी सभ्यता :**

→ अमलानन्द घोष ने बीकानेर की आस-पास की सभ्यता को सोथी सभ्यता कहा है तथा इसे "हड़प्पा सभ्यता का उद्गम" स्थल बताया है।

→ इसे "कालीबंगा -I" भी कहा जाता है।

मुख्य केन्द्र :

① पूगल

② सावणिया

(2) **आहड़ सभ्यता :** (आघाटपुर, धूलकोट की सभ्यता)

→ उदयपुर जिले में आयड़/बेड़च नदी के किनारे स्थित है।

→ उत्खननकर्ता :

① अक्षयकीर्ति व्यास

② रतनचन्द्र अग्रवाल

③ वीरेन्द्र नाथ मिश्र

④ हंसमुख धीरज सांकलिया (H. D सांकलिया)

→ प्राचीन नाम :

आघाटपुर

→ स्थानीय नाम :

धूलकोट

See More PDF- https://rajasthanclasses.in/

③ महाजनपदकाल : (16) (भारत की 2nd नगरीय क्रान्ति)

महाजनपदकाल को भारत की 2nd नगरीय क्रान्ति कहा जाता है।

① मत्स्य महाजनपद :

- जयपुर तथा अलवर (द.प.भाग) जिले का भाग।
- इसका ऋग्वेद में भी उल्लेख मिलता है।

राजधानी :

विराटनगर

(विराटनगर का महाभारत में नाम मिलता है।)

की
२५

② कुरु महाजनपद :

अलवर का उत्तरी भाग

राजधानी :

इन्द्रप्रस्थ

③ शूरसेन महाजनपद :

भरतपुर तथा अलवर का पूर्वी भाग

राजधानी :

मथुरा

See More PDF- https://rajasthanclasses.in/

(4) शिवि जनपद :

वर्तमान चित्तौड़गढ़ जिला (मेवाड़ का भाग)

राजधानी :

माध्यमिका (नगरी)

→ महाभारत तथा पतंजलि के महाभाष्य में माध्यमिका का नाम मिलता है।

→ राजस्थान में सबसे पहले उत्खनन माध्यमिका का हुआ। (1904)

उत्खनन कर्ता :

डी. आर. भण्डारकर

(5) मालव जनपद :

→ वर्तमान टोंक व जयपुर जिला

राजधानी :

नगर

→ सर्वाधिक सिक्के मालव जनपद के प्राप्त होते हैं। ये सिक्के रैढ़ (टोंक) नामक स्थान से प्राप्त हुये हैं।

"प्राचीन भारत का टाटानगर"

रैढ़ का "उत्खनकर्ता" : कैलाशनाथ पुरी

(6) यौधेय जनपद :

→ वर्तमान गंगानगर व हनुमानगढ़ जिला

→ इस जनपद ने कुषाणों को भारत में आगे बढ़ने से रोका था

(7) शाल्व जनपद : अलवर

See More PDF- https://rajasthanclasses.in/

GK/GS टॉप 1000 प्रश्न –
Download Now

राजस्थान GK हस्त ल खत नोट्स
DOWNLOAD NOW

भारत सामान्य ज्ञान टेस्ट-शुरू करे

RAJASTHAN GK E-BOOK - DOWNLOAD

RAJASTHAN GK TEST–START NOW

See More PDF- https://rajasthanclasses.in/

⑧ अर्जुनायन जनपद   अलवर व भरतपुर (नीम का थाना वाला क्षेत्र)

⑨ राजन्य जनपद :   भरतपुर

(4) मौर्यकाल :

① बैराठ :   (शंख लिपी)

"भाबू अभिलेख" :-

- बैराठ की बीजक पहाड़ी से 1837 में कैप्टन बर्ट ने खोजा
- अशोक ने इसमें बुद्ध, संघ, धम्म का वर्णन किया है।
- इस अभिलेख में "अशोक को मगध का राजा" कहा है।
- इस अभिलेख में बौद्ध धर्म की पुस्तकों की जानकारी है।

→ "ह्वेनसांग" के अनुसार बैराठ में "आठ बौद्धमठ" थे। कालान्तर में इन बौद्ध मठों को हूण राजा मिहिरकुल ने तोड़ दिया था

→ जयपुर के राजा रामसिंह ने भी यहाँ पर खुदाई करवाई थी। उस समय सोने की एक छोटी सन्दूक मिली • जिसमें शायद भगवान बुद्ध के अवशेष थे।

→ 1936 में दयाराम साहनी ने यहाँ पर उत्खनन किया था।

→ बैराठ की लिपी को "शंख लिपी" कहा जाता है।

See More PDF- https://rajasthanclasses.in/

(कुछ) (मौर्य के बारे में कुछ बातें जिनका मौर्यवंश से कोई सम्बन्ध नहीं है)

मानसरोवर अभिलेख :

→ चित्तौड़गढ़ में (713 ई. ण)

→ इसमें 4 मौर्य राजाओं के नाम हैं।

- (A) महेश्वर
- (B) भीम
- (C) भोज
- (d) मान

कणसवा शिवालय अभिलेख:

(कोटा, 738 ई.)

→ इसमें धवल नामक मौर्य राजा का नाम मिलता है।

(5) मौर्योत्तर काल :

→ 150 ई. में यूनानी राजा मिनाण्डर ने माध्यमिका पर आक्रमण कर दिया था।

→ बैराठ से भी मिनाण्डर के 16 सिक्के प्राप्त होते हैं।

→ **नोह (भरतपुर)**

→ यहाँ से यक्ष की मूर्ति प्राप्त होती है जो "शुंगकाल" की है।

↓ इस मूर्ति को "जाख बाबा" कहा जाता है।

See More PDF- https://rajasthanclasses.in/

→ रंगमहल (हनुमानगढ़)

- यहाँ से एक "गुरु-शिष्य की मूर्ति" मिली है जो कुषाणों के समय की है।

उत्खनन कर्ता:

डॉ. हन्नारिड (स्वीडन)

⑥ गुप्तकाल :

→ समुद्रगुप्त ने बयाना में विजयस्तम्भ का निर्माण करवाया जो "राजस्थान का 1st विजयस्तम्भ" है।

→ कुमारगुप्त के सिक्के बयाना से प्राप्त हुये हैं जो गुप्तों के एक जगह से मिले सर्वाधिक सिक्के हैं।

→ "सामन्त विष्णुवर्धन" ने बयाना में "भीमलाट" का निर्माण करवाया

- इसकी रानी चन्द्रलेखा ने यहाँ पर "ऊषा मन्दिर" का निर्माण करवाया। (कृष्ण के परिवार की महिला)
- मुबारक खिलजी ने इस मन्दिर को तोड़कर इसे ऊषा मस्जिद में बदल दिया।

→ मध्यकाल में बयाना "नील (indigo) की खेती" के लिए जाना जाता था।

बड़वा अभिलेख : (बारां)

↓ इसमें "मौखरि वंश" के राजाओं का वर्णन मिलता है।

→ चार चौमा के मन्दिर गुप्तकाल में बने थे।

See More PDF- https://rajasthanclasses.in/

(259) पृ. → "धाडोली के शिवमन्दिर" हूण राजा मिहिरकुल ने बनवाये थे।

⑦ गुप्तोत्तर काल / पूर्व मध्यकाल / राजपूत काल / त्रिपक्षीय संघर्ष का काल

(त्रिपक्षीय संघर्ष)

भीनमाल (गुर्जर प्रतिहार) → कन्नौज ← पाल (मुंगेर)

↑

राष्ट्रकूट (मान्यखेत)

पृ. (259)

- → गुर्जर प्रतिहारों की राजधानी भीनमाल थी
- → चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भीनमाल की यात्रा की थी इसने भीनमाल का नाम "पी लो मो लो" बताया था।
- → कवि माघ भीनमाल के रहने वाले थे जिन्होंने "शिशुपालवध" नामक पुस्तक लिखी थी।
- → "ब्रह्मगुप्त" (भारत का न्यूटन कहा जाता है) भी भीनमाल के रहने वाले थे।

↓ पुस्तकें

✓ ① ब्रह्मस्फुट सिद्धान्त

✓ ② खण्ड खाद्यक

See More PDF- https://rajasthanclasses.in/

अन्य मुख्य स्थल :

① गणेश्वर :
→ सीकर जिले में कांतली नदी के किनारे
→ इसे "ताम्र सभ्यताओं की जननी" कहा जाता है।

② सुनारी :
→ झुन्झुनु जिले में कांतली नदी किनारे
→ यहां से लोहा प्राप्त हुआ है

③ ईसवाल : (उदयपुर)
→ इसे "औद्योगिक नगरी" कहा जाता था।

④ कुराडा : (नागौर)
→ इसे "औजारों की नगरी" कहा जाता है।

⑤ जोधपुरा : (जयपुर)
→ साबी नदी (जयपुर) के किनारे

⑥ आलनिया : (कोटा)
→ "शैल चित्र" प्राप्त हुये हैं। जिनकी खोज डी. एस. वाकणकर ने की थी

⑦ गरदडा : (बूंदी)
→ यहां से भी शैल चित्र प्राप्त हुये हैं।

⑧ नलियासर : (सांभर, जयपुर)

See More PDF- https://rajasthanclasses.in/

- **Rajasthan Gk PDF- क्लिक करे**
- **Hindi Test Quiz – क्लिक करे**
- **HINDI NOTES - क्लिक करे**
- **RAJASTHAN GK NOTES - क्लिक करे**

- **INDIA GK TOP QUIZ– क्लिक करें**
- **RAJASTHAN GK QUIZ – क्लिक करे**
- **GENERAL SCIENCE– क्लिक करें**
- **HINDI SAMAS VIDEO– क्लिक करे**

See More PDF- https://rajasthanclasses.in/

Youtube Chanel – Click Here

Website – Click Here

Telegram Group – Click Here

https://rajasthanclasses.in/